

## 我有我爱我

權 作词

绿 邪 作曲

桃李醉春风 记谱

1 = E  $\frac{4}{4}$   
♩ = 102

演唱：少年霜

3 ||: 1̇ 7̇ 1̇ 6̇ 6̇ 1̇ | 7̇ 1̇ 7̇ 3̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 6̇ 6̇ 5̇ 6̇ 1̇ 1̇ 2̇ | 3̇ 5̇ 5̇ - 3̇ 3̇ |  
 曾 记楼西风铃下 老洋槐一棵，往复 春秋挥别几多重 旧车辙，树下  
 若人生削减缩 短分为两刻，也不 过睡后复醒再苦 中作乐，世人

4. 3̇ 4̇ 3̇ | 3̇ 2̇ 7̇ 0 5̇ 5̇ 3̇ | 6 - - 0 | 0 0 0 3 | 1̇ 7̇ 1̇ 6̇ 6̇ 1̇ | 7̇ 1̇ 7̇ 5̇ 3̇ 5̇ |  
 醉一卧梦中身化作秋千索。 曾羡枯木尚有青藤伴身侧，而我  
 皆过客岂分你对饮我独酌。 总有人执着纵情红尘声色，总有

6̇ 6̇ 5̇ 6̇ 1̇ 1̇ 2̇ | 2̇ 3̇. 0 2̇ 3̇ | 4. 3̇ 4̇ 3̇ | 3̇ 2̇ 7̇ 7̇ 5̇ | 6 - 0 6 | 7 - 0 3̇ 6̇ 7̇ |  
 孤身蹉渡岁月长河，剖出心头火妄把时光永久温热。  
 ( 6̇ 6̇ 7̇ 1̇ 7̇ 1̇ 2̇ | 2̇ 3̇. 0 2̇ 3̇ | 4. 3̇ 6̇ 6̇ | 3̇. 2̇ 1̇ 6̇ | 7 - 0 2̇ | 3̇ - ) } 都说痴  
 人不屑真情或消磨，愈轻易割舍愈到最后求而不得。

1̇ 3̇ 3̇ 0 3̇ 3̇ 1̇ | 7̇ 1̇ 7̇ 6̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 6̇ 6̇ 7̇ 1̇ 2̇ 1̇ | 3̇ - 0 2̇ 3̇ | 3̇ 2̇ 2̇ 3̇ 3̇ 2̇ 2̇ 3̇ |  
 磨是我一醉解痛渴亦是我，我唱的歌我自己来和，最情多也寂寞最不  
 情是我长情是我滥情是我，我的选择我自己走过，越情多越寂寞越不

4̇ 3̇ 6̇ 0 6̇ 6̇ 7̇ | 1̇ 1̇ 1̇ 2̇ 1̇ 7̇ | 7 - 0 3̇ 6̇ 7̇ | 1̇ 3̇ 3̇ 3̇ 3̇ 1̇ | 7̇ 1̇ 2̇ 3̇ 3̇ 1̇ 7̇ |  
 (2) ( 2̇ 3̇ |

惧口舌，却凉薄 远近独我一个。这世间 风月无非落定 我眸中颜色，卧天  
 惧口舌，越凉薄 远近独我一个。这世间 风月无非落定 我眸中颜色，卧天

6̇ 6̇ 6̇ 5̇ 2̇ 4̇ | 3̇ - 0 2̇ 3̇ | 4̇ 4̇ 3̇ 4̇ 3̇ 2̇ | 3̇ 1̇ 7̇ 6̇ 3̇ 2̇ | 2̇ 0 1̇ 7̇ 1̇ 6̇ |  
4̇ 4̇ 4̇ 4̇ 5̇ 4̇ )

天地间我独享山河，纵你一声呼喝寻来高朋满座，幸我有我爱我。  
 天地间我独享山河，纵你一声呼喝寻来

6 - 0 ( 0 3̇ 2̇ | 3̇ - 0 2̇ 3̇ | 4̇ 3̇ 2̇ 2̇ - | 7̇ 7̇ 1̇ 2̇ 1̇ 2̇ | 3̇ - - 0 3̇ 2̇ | 3̇ - 0 2̇ 3̇ |

4̇ 3̇ 2̇ 1̇ - | 7̇. 1̇ 7̇ 6̇ 5̇ 4̇ 3̇ 1̇ | 7̇ - - ) 3̇ || 3̇ 6̇ 7̇ 6̇ 3̇ 2̇ | 2̇ 0 1̇ 7̇ 1̇ 7̇ |  
 倘高朋满座，幸我有我爱

转 1=A 结束句  
 6 - 0 6̇ 7̇ || 3̇ 6̇ 7̇ 6̇ 3̇ 2̇ | 2̇ 0 1̇ 7̇ 1̇ 7̇ | 6 - - - | 6 0 0 0 ||  
 我。最无 D.S. 高朋满座，幸我有我爱我。